भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 641

28 नवम्बर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

पीएमएवाई-यू के अंतर्गत आवंटित धनराशि का उपयोग

641. श्री जिया उर रहमानः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के अंतर्गत कुल कितने लाभार्थियों को आवास उपलब्ध कराए गए हैं;

(ख) उक्त योजना के अंतर्गत आवंटित धनराशि की किस्तों के संवितरण में कुल कितना समय लगता है;

(ग) क्या आवंटित निधियों का पूर्ण उपयोग कर लिया गया है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क) से (घ): 'भूमि' और 'कॉलोनीकरण' राज्य के विषय हैं। इसलिए, अपने नागरिकों के लिए आवास से संबंधित योजनाओं को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों (यूटी) द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। हालांकि, आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय दिनांक 25 जून, 2015 से देश भर के शहरी क्षेत्रों में पक्के आवास उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) के तहत केंद्रीय सहायता प्रदान करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों में सहायता प्रदान करता है। पीएमएवाई-यू के तहत राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों के आधार पर, दिनांक 18.11.2024 तक, मंत्रालय द्वारा कुल 118.64 लाख आवासों को मंजूरी दी जा चुकी है, जिनमें से 114.30 लाख आवास निर्माणाधीन है और 88.02 लाख से अधिक आवास पूर्ण हो चुके हैं/लाभार्थियों के सुपुर्द किए जा चुके हैं। शेष आवास निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

पीएमएवाई-यू योजना दिशानिर्देशों के अनुसार, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके द्वारा प्रस्तुत अनुपालन के आधार पर आवासों के निर्माण के लिए 40%, 40% और 20% की तीन किस्तों में केंद्रीय सहायता जारी की जाती है। मंत्रालय आवासों को शीघ्र पूरा किए जाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से प्राप्त अनुपालन की प्राप्ति पर लगातार देय किस्तें जारी कर रहा है। अब तक, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता जारी की जा चुकी है, जिसके लिए मंत्रालय को लगभग 1.57 लाख करोड़ रुपये के उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। मंत्रालय योजना के तहत जारी की गई निधि के शीघ्र उपयोग और आवासों के निर्माण को पूर्ण करने की निगरानी के लिए नियमित समीक्षा करता है।

*****